आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 12.04.2026
समय 07.20

पहले मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मानव–वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं के स्थायी समाधान पर जोर दिया।
- उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने ''नारी शक्ति वंदन अधिनियम–2023'' को महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। कहा– यह अधिनियम महिलाओं को नीति निर्माता बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।
- एस.डी.आर.एफ ने तुंगनाथ–चंद्रशिला ट्रेक मार्ग पर खराब मौसम में फंसे 30 ट्रैकर्स को सुरक्षित रेस्क्यू किया।
- और, देहरादून के परेड ग्राउंड में चल रहे दून बुक फेस्टिवल का आज अंतिम दिन।

.....

निर्देश मुख्यमंत्री

नैनीताल में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक उच्चस्तरीय बैठक में मानव–वन्यजीव संघर्ष, पर्यटन सीजन की तैयारियों और विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने मानव–वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए इसके स्थायी समाधान पर जोर दिया। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में सोलर फेंसिंग लगाने, चेतावनी प्रणाली विकसित करने और वन विभाग व पुलिस की संयुक्त टीमों को 24 घंटे सक्रिय रखने के निर्देश दिए।

पर्यटन सीजन को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सड़कों को गड्ढामुक्त रखने, ट्रैफिक प्रबंधन मजबूत करने, शटल सेवा और पार्किंग व्यवस्था बेहतर करने को कहा। साथ ही 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत हुड़दंग और नशाखोरी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में जमरानी बांध परियोजना को समयबद्ध पूरा करने और बिंदुखत्ता को राजस्व गांव बनाने की प्रक्रिया तेज करने को भी कहा गया। मुख्यमंत्री ने ग्रीष्मकाल और मानसून से पहले विद्युत और पेयजल व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में अधिकारियों को सभी कार्य समयसीमा में पूरा करने और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

.....

प्रेसवार्ता

उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने ''नारी शक्ति वंदन अधिनियम–2023'' को महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया है। सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को नीति की लाभार्थी से नीति की निर्माता बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं संचालित की गई हैं, जिनसे महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य के क्षेत्र में मजबूती मिली है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

कुसुम कंडवाल ने बताया कि इस अधिनियम के तहत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जिससे राजनीतिक भागीदारी बढ़ेगी और महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में अधिक अवसर मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि महिला नेतृत्व से समावेशी विकास को बढ़ावा मिलता है और उत्तराखण्ड सरकार इस अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है।

.....

पेटेंट

गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर के वैज्ञानिकों को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित 'लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स इंस्टेंट पुलाव' बनाने की प्रक्रिया को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने पेटेंट प्रदान किया है।

खाद्य एवं पोषण विभाग की प्राध्यापक डॉ. सरिता श्रीवास्तव ने बताया कि यह पुलाव झंगोरा से तैयार किया गया है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स मात्र 34 दशमलव एक–दो है। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के कारण इसमें मौजूद शर्करा शरीर में धीरे–धीरे अवशोषित होती है, जिससे रक्त शर्करा स्तर नियंत्रित रहता है। पोषण की दृष्टि से भी यह सामान्य चावल के पुलाव की तुलना में अधिक लाभकारी है।

वहीं, बौद्धिक संपदा प्रबंधन केंद्र के सीईओ प्रो. डॉ. एम. जी. एच. जैदी ने बताया कि यह उत्पाद न केवल भारत बल्कि विश्वभर के मधुमेह रोगियों के लिए लाभकारी हो सकता है।

.....

रेस्क्यू

तुंगनाथ–चंद्रशिला ट्रेक मार्ग पर खराब मौसम में फंसे करीब 30 ट्रैकर्स को राज्य आपदा मोचन बल–एसडीआरएफ की टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया।

शुक्रवार शाम आए भीषण तूफान और प्रतिकूल मौसम के कारण ट्रैकर्स के फंसने की सूचना डायल 112 के माध्यम से मिली। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम उपनिरीक्षक संतोष परिहार के नेतृत्व में तत्काल रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके के लिए रवाना हुई।

एसडीआरएफ ने स्थानीय पुलिस, वन विभाग और जिला आपदा प्रबंधन की टीमों के साथ समन्वय करते हुए दुर्गम क्षेत्र में खोजबीन और बचाव अभियान चलाया। खराब दृश्यता, तेज हवाओं और बर्फबारी जैसी परिस्थितियों के बावजूद टीम ने ट्रैकर्स की लोकेशन ट्रेस कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला।

अभियान के दौरान कुल 30 ट्रैकर्स को सुरक्षित चोपता लाया गया, जहां से उन्हें उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

.....

दून बुक फेस्टिवल

देहरादून के परेड ग्राउंड में चल रहे दून बुक फेस्टिवल का आज अंतिम दिन है। महोत्सव के आठवें दिन कल बाल मंडप में उत्साह, रचनात्मकता और सीखने का अद्भुत संगम देखने को मिला। करीब एक हजार 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लेकर कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

बाल मंडप की शुरुआत सुभाष रावत के इंटरएक्टिव स्टोरीटेलिंग सत्र से हुई, जिसमें 'मीरा और शेर' की कहानी ने बच्चों की कल्पनाशक्ति को नई उड़ान दी। इसके बाद हिम्मत सिंह नेगी की 'मैजिक ऑफ वॉइस' कार्यशाला में बच्चों को वॉइस मॉड्यूलेशन, माइक्रोफोन के सही उपयोग और उच्चारण की बारीकियों से अवगत कराया गया। राष्ट्रीय ई–पुस्तकालय की टीम के साथ बच्चों ने समूहों में रचनात्मक कहानियां तैयार कीं और प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण व उसके नवाचारपूर्ण उपयोग के बारे में जाना।

महोत्सव के अंतिम आज दिन बाल मंडप में रचनात्मक लेखन और फूलदेई से जुड़ी कार्यशालाएं आयोजित होंगी।

.....

कपाटोद्घाटन

उत्तरकाशी ज़िले में विश्व प्रसिद्ध धाम गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर 19 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इसके साथ ही राज्य में चारधाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो जाएगा।

गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल के अनुसार, हिन्दू पंचांग के आधार पर यह तिथि निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि गंगोत्री धाम के कपाट दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर शुभ मुहूर्त में खोले जाएंगे। इससे एक दिन पहले, 18 अप्रैल को गंगा जी की भोगमूर्ति की डोली उनके शीतकालीन प्रवास मुखबा से सेना बैंड और ढोल–दमाऊ के साथ दोपहर 12 बजकर 15 बजे गंगोत्री धाम के लिए रवाना होगी। डोली का रात्रि विश्राम भैरव घाटी स्थित भैरव मंदिर में होगा। इसके बाद 19 अप्रैल की सुबह 7 बजे डोली भैरव घाटी से पैदल गंगोत्री धाम के लिए प्रस्थान करेगी।

वहीं, यमुनोत्री धाम के कपाट भी 19 अप्रैल को दोपहर 12 बजकर 35 मिनट पर श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। यमुनोत्री मंदिर समिति के अरुण सेमवाल ने बताया कि अक्षय तृतीया के दिन शीतकालीन प्रवास खरसाली से डोली सुबह धाम के लिए रवाना होगी।

गौरतलब है कि केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल और बद्रीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को दर्शनार्थ खोले जाएंगे।

.....

घोषणा

नैनीताल ज़िले के भीमताल में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने भीमताल में उप–तहसील बनाने, ओखलकांडा के भीड़ापानी में आयुर्वेदिक चिकित्सालय खोलने और विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में एक्स–रे व अल्ट्रासाउंड मशीनें लगाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने किसानों के लिए रामगढ़, धारी और ओखलकांडा में मंडी निर्माण तथा लेटीबुंगा और सतबुंगा में कोल्ड स्टोरेज बनाने की बात कही। साथ ही ककोड़ और दाड़िम क्षेत्रों में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा भी की गई।

.....

और अब एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर––

चारधाम यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य को सभी समाचार पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया है। हिन्दुस्तान समाचार पत्र की ख़बर है– चारधाम यात्रा में हुड़दंगियों से सख्ती से निपटेगी सरकार।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 अप्रैल को उत्तराखंड पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम की तैयारियों की ख़बर सभी समाचार पत्रों ने प्रकाशित की है। दैनिक जागरण लिखता है – पीएम का दौरा : एसपीजी ने संभाली कमान।

प्रदेश के सभी स्कूलों में वंदेमातरम् गायन को अनिवार्य कर दिया गया है। हिन्दुस्तान समाचार के अनुसार– हर शिक्षण संस्थान में गाया जाएगा वंदेमातरम्।

.....